स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ३८ वि.सं. २०८३ भदौ ०८ गते सोम्मार थारु सम्वत (२६४९) [Monday 24 August 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

प्रदेश स्थायी राजधानी अभिन कार्यान्वन नैहुइल

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ७ भदौ । अघिल्का कार्यकालके प्रदेश सभासे दुई तिहाइ बहुमतसे तोकल सुदूरपश्चिम प्रदेशके राजधानी अङबेक प्रदेश सभाके कार्यकाल सेके लग्लेसेफे कार्यान्वयनमे आई नैसेकल हो ।

वन क्षेत्रमे राजधानी तय करलपाछे नेपाल सरकारसे जग्गाके भोगाधिकार हालसम नैडेके दुसरा कार्यकालके प्रदेश सभाके अवधि सेके लागे लग्लेसेफे राजधानी कार्यान्वयनमे आई सेकल नैहो । तत्कालीन प्रदेश सभाके २०७५ कुवाँर १५ मे बैठल बैठकस दुई तिहाइ बहुमतसे कैलालीके गोदावरी नगरपालिका–२ ओ ४ मे पर्ना वन क्षेत्रमे प्रदेशके स्थायी राजधानी तय करल रहे । मने, सदनके बहुमतसे तोकल राजधानी आठ वर्ष पुगे लग्लेसेफे कार्यान्वयनमे आई सेकल नैसेकल हो ।

दुसरा कार्यकालके प्रदेश सभाके

अवधिफे अब ढेर समय नैरहल ओरसे राजधानी घोषणामे केल्ह सीमित हुइना सम्भावना थप बल्गर हुइटी रहल बल्गर हुइटी रहल बा । राजधानी निर्माणके कार्य सुरु करेक लाग प्रदेश सरकारसे आर्थिक वर्ष २०७७/७८ ओ २०७८/७९ मे क्रमशः दुई करोड ७२ ओ दुई करोड ७४ लाख करके झन्डै साढे पाँच करोड रुप्या बजेटफे विनियोजन करल रहे । मने, काम हुई नैसकल । विनियोजित बजेट फ्रिज हुइल रहे ।

आठ वर्षसम राजधानी निर्माण कार्यके सुरुवातसमेत हुई नैसेकलपाछे प्रदेश सरकारहे थप चुनौती थपल बा । एकाओर, प्रदेश सभाके अवधि घरकटी जैटी रहल बा कलेसे दुसर ओर राजधानी बनाई पर्ना नैतिक दबाबमे प्रदेश सरकार रहल बा ।

राजधानी बनाई नैसेक्लेसे जनताके मूल्याङ्कन का हुइना हो कहटी मुख्यमन्त्री खगराज भट्ट अङबेक अवस्थामे सरकारसंग गोदावरीके विकल्प नैरहल स्पष्ट परलै । "हम्रे गोदावरीमे राजधानी बनाई पर्ना अवस्था बा । विकल्पमे जैना हो कलेसे प्रदेश सभाके दुई तिहाइसे हम्रे सहमति करे सेके परठ ।"

गोदावरीके विकल्पमे गैलेसे प्रदेश सभाके दुई तिहाई बहुमतहे सहमति ओ प्रदेश सभाके सामूहिक संकल्प आवश्यक पर्ना मुख्यमन्त्री भट्टके कहाई रहे ।

२०७५ सावन २४ गते बैठल प्रदेश सभाके बैठकसे राजधानी तोक्न ओ नाम प्रस्ताव कैना नेकपा (एमाले) के तत्कालीन सचेतक तारा लामा तामाङके संयोकत्वमे पाँच सदस्यी विशेष सुझाव समिति बनाइल रहे । उहे समितिसे गोदावरी नगरपालिकामे राजधानी ओ प्रदेशके नाम सुदूरपश्चिम सिफारिस करल रहे । प्रदेशके स्थायी राजधानी नैबनल ओरसे हालसम अस्थायी राजधानी धनगढीसे प्रदेश सरकार सञ्चालन हुइटी बा ।

"सातै प्रदेशमे अटिजम हुइल बालबालिकाके लग आवासीय विद्यालय खोल्ना"

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ७ भदौ । शिक्षा ओ खेलकुदमन्त्री सस्मित पोखरेलसे अटिजम हुइल बालबालिकाहुकनके लग सातै प्रदेशमे हाली आवासीय विद्यालय स्थापना कैना सरकारसे आवश्यक तयारी करटी रहल बटैले बटै ।

अटिजम ओ न्यूरोडाइभर्सिटी हुइल बालबालिकाके लग शैक्षिक कार्यक्रम सञ्चालन ओ व्यवस्थापनसम्बन्धी मापदण्ड, २०८३ के विषयमे छलफल कैना कैलालीके धनगढीमे आयोजित कार्यक्रममे उहाँ बजेटसमेत विनियोजन हुइसेकल जानकारी देलै ।

विद्यालय सञ्चालनके लग ढाँचा तय कैना छलफल हुइरहलके बटैटी मन्त्री पोखरेल विद्यार्थी ओ अभिभावकहे सँगे राखल पढाइ, थेरापी ओ अन्य रचनात्मक गतिविधि सञ्चालन करल स्पष्ट परलै । उहा कहलै, 'सरकार गठन हुइटी किल अटिजम हुइल बालबालिकाके लग देशके सातै प्रदेशमे एक एक आवासीय विद्यालय स्थापनाके घोषणा करे सेकल बटी, ओकर लग आवश्यक बजेटके व्यवस्था फे हुइ सेकल बा ।' मूलधारके विद्यालयमे भर्ना करल आघे असिन बालबालिकाहे आवासीय रूपमे स्वास्थ्य सेवा ओ शिक्षा देना करके मापदण्डके मस्यौदा तयार हुइल उहाँ बटैलै ।

पछिल्का वर्षहे अटिजम हुइल बालबालिकाके समस्या विश्वव्यापी रूपमे बह्टी गिलके कहटी अङबे शिक्षा ऐन, नीति ओ मापदण्डमे इ विषयहे समेटना उहाँ उल्लेख करलै । इ समस्या सरकारके पहलसे किल समाधान नै हुइना करल सिङ्गो समाज परिचालित हुइक पर्नामे उहाँ जोड देलै । *(बाँकी ४ पेजमे)*

मानसिक स्वास्थ्यमा ध्यान दिऔं

- मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्यजत्तिकै महत्वपूर्ण हो भन्ने बुझौं,
- डर, तनाव वा चिन्ता भएमा विश्वासिलो व्यक्ति वा सम्बन्धित विशेषज्ञसँग खुलेर कुरा गरौं,
- परिवार, साथीभाइ र समुदायमा सहयोगी तथा सकारात्मक वातावरण निर्माण गरौं,
- पर्याप्त निद्रा र सन्तुलित आहारमार्फत मानसिक स्वास्थ्यको सुरक्षा गरौं,
- योग, ध्यान तथा सिर्जनात्मक गतिविधिमा सहभागी भई तनाव व्यवस्थापन गरौं,
- मानसिक स्वास्थ्यसम्बन्धी भ्रम र विभेदको अन्त्य गरौं,
- समस्या देखिएमा स्वास्थ्य संस्थाबाट परामर्शसेवा लिऔं,
- आत्मीय संवाद, आपसी सहयोग र सहानुभूतिमार्फत स्वस्थ समाज निर्माण गरौं।

खुलेर कुरा गरौं: मानसिक स्वास्थ्यको संरक्षण गरौं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

अमृता रानासहित १० जाने ब्युटिसियन अवार्ड–२०८३ से सम्मानित

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ७ भदौ । सौन्दर्य तथा ब्युटिसियन क्षेत्रमे नम्मा समयसे सक्रिय रहटी महिलाहे सीप, स्वरोजगार ओ आत्मनिर्भरताके डगरमे आघे बह्दैना योगदान पुगैटी आइल कञ्चनपुरके अमृता कुमारी राना 'सेकेन्ड नेपाल ब्युटिसियन अवार्ड–२०८३' से सम्मानित हुइल बटै ।

मंगलादेवी सिंह फाउन्डेसन ओ गंगबु ब्युटी पार्लर एण्ड ट्रेनिङ सेन्टरके संयुक्त आयोजनामे काठमाडौंमे सम्पन्न हुइल अवार्ड कार्यक्रममे रानासहित देशके टमान जिल्लामे नम्मा समयसे सौन्दर्य क्षेत्रमे योगदान पुगैटी आइल १० जाने अनुभवी सौन्दर्यकर्मीहे सम्मान करल हो ।

रानाहे सौन्दर्य क्षेत्रमे पुगाइल दीर्घकालीन योगदान तथा महिलाहे स्वरोजगार ओ आत्मनिर्भर बनैना करल प्रयासके कदर करटी सम्मान करल सम्मानपत्रमे उल्लेख बा । सम्मानपत्रअनुसार उहाँ विगत दुई दशकसे नेपालमे सौन्दर्य क्षेत्रके विकास, बेरोजगार जनशक्तिहे रोजगारीके अवसर प्रदान तथा विशेष करके महिलाहे स्वरोजगार ओ आत्मनिर्भर बनैना महत्वपूर्ण योगदान पुगैटी आइल बटै ।

कञ्चनपुरके बेदकोट–सिसैयामे अमृता ब्यूटि होम सञ्चालन करटी आइल राना सौन्दर्य सेवासंगे सीप तथा व्यावसायिक दक्षताके माध्यमसे महिलाहे आत्मनिर्भर बनैना क्षेत्रमे समेत काम करटी आइल बटै ।

काठमाडौंमे आयोजित अवार्ड कार्यक्रममे नेपालके पहिल कस्मोटोलोजिस्ट परीसी कारन्जित, विराटनगरके वरिष्ठ सौन्दर्यविद् सन्तोषी श्रेष्ठ, वीरगञ्जके गुड्डी जोशी, खगिसरा लामिछाने, मकवानपुर हेटौंडाके गमला राजभण्डारी, जनकपुरके लुसीदेवी शाह, बर्दियाके राधा कुँवर, कञ्चनपुरके अमृता कुमारी राना, सुदूरपश्चिमके निशा सिंह तथा सौन्दर्य कला व्यवसाय संघ ललितपुर जिल्ला *(बाँकी ४ पेजमे)*

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

अटिजमके व्यवस्थापन

विचार
युगल बसेल

अटिजम कलेक मस्तिष्क विकासके भिन्नताहे बुझाइठ । यी कौनो विशेष खालके रोग हो कि कना टमानहे लागे सेकठ मने यिहिनहे रोगके दर्जामे ढरल नैहो । टबेमारे यकर उपचार वा औषधी फेन नेहो । यी केवल संसारहे हेरना ओ बुझ्ना फरक अवस्था किल हो । खासमे कना हो कलेसे यी स्नायु विकाससम्बन्धी समस्या हो जोन बालबालिका हुर्कना क्रममे देखा परठ । मस्तिष्कमे स्नायुके सञ्जालसे मजासे काम नैकैके वा कहिके सन्तुलन कायम नैहोके अटिजमके अवस्था पैदा हुइठ । चिकित्सा विज्ञानके भाषामे यिहिनहे एएसडी अर्थात् 'अटिजम स्पेक्ट्रम डिसअर्डर' कना करजाइठ ।

अटिजम हुइल व्यक्तिके सामाजिक अन्तर्क्रिया ओ व्यवहारमे स्पष्ट भिन्नता डेखैना करठ । यकर इतिहास सन् १९४३ मे अमेरिकाके बालमनोरोग विशेषज्ञ लियो कार्नल ११ जाने बालकके अध्ययन कैके अटिजमहे एक विशिष्ट मानसिक अवस्थाके रूपमे पहिचान करलपाछे सुरु हुइल मानजाइठ । उहाँ यी अवस्थाहे 'अर्ली इन्फेन्टाइल अटिजम' नाम डेले रहैं । अटिजम हुइल व्यक्तिमे फरक फरक लक्षण डेखाइठ । औरेसँग आँखी जुधाके हेरना क्षमता नैरना, केक्रो अनुहार हेरके भाव पटा पाइ नैसेक्ना, उमेर अनुसारके बोली बोले नैसेक्ना, अपन बाट व्यक्त करे नैसेक्न, औरेक हात पकरके अपनहे चाहल चिज देखैना, दौँतरीसँग घुलमिल हुइना अनिच्छुक रना । अस्टेक बोलीके सुरुवात ढिला हुइना, एक मेरिक शब्द दोहोऱ्याइना, कौनो एक खास वस्तुमे ढेर रुचि रना, घुमटिरहल पंखा वा ओइसिन घुमल वस्तुमे ढेर ध्यान केन्द्रित हुइना यकर लक्षण हो ।

ओके किल नाइकि एकोहोरो व्यवहार देखैना, घाउ चोटके दुखाइमे संवेदनशील नैहुइना वा अत्यधिक प्रतिक्रिया देखैना, एक्केलि खेले रुचैना, कुर्कुच्चा वा औंला टेकके नेंग्ना, औरेसे औंल्याइल दिशाओर नैहेरना, दुई वर्ष उमेर पुग्लेसे फेन सार्थक शब्द उच्चारण नैकरना, हात झड्करना, छोट आवाज सुन्लेसे फेन कान थुन्ना, खास खालके गन्ध वा स्वाद रहल चिज ढेर मन परैना, सिकल सिप बिस्रैना, शरीर घुमैना व्यवहार दोहोऱ्याइना आदि यी अवस्थाके लक्षण हो । अइनमे एक खालके काम बारम्बार दोहोऱ्याइना करना रुचि रहठ । आवाज, ओज्रार, स्पर्श, गन्ध वा स्वादप्रतिके इन्द्रियजन्य अनुभूति असामान्य खालके रना । सामान्य शिक्षणके तरिकासे आइनहे सिख्ना कठिन रहठ । कौनो बालकमे छसे १२ महिनाभित्रे अटिजमके लक्षण डेखाइठ कलेसे किहुनमे १८ से २४ महिनाके उमेरमे प्रस्ट संकेत देखा परे लागठ ।

अटिजम का कारणसे हुइठ कना बाट किटान करे सेकल नैहो । यी एक कारणविशेषसे हुइना नाइहो । आनुवंशिक कारणसे फेन यी हुइना करठ । अइसिन कनाके तात्पर्य का हो कलेसे अटिजम हुइल परिवारमे औरे बच्चामे फेन अटिजम हुइना सम्भावना सामान्यसे ढेर रहठ । सन्तान जन्मैना बेला डाइबाबाके उमेर धेर छिप्पल बा कलेसे फेन सन्तानमे यी अवस्था अइना सम्भावना रहठ । गर्भमे शिशु रहल बेला डाइकमे रुबेलाके स क्रमण, कडास्तरके मधुमेह, अधिक मोटापना, खास मेरिक औषधीके सेवन, विषाक्त पदार्थसँगके सम्पर्कसे फेन सन्तानमे अटिजम नन्ना सम्भावना रहठ । मस्तिष्कके विकासके क्रममे परना वातावरणीय ओ जैविक प्रभावसे फेन यी अवस्था नानठ । स्याहारसुसार, पोषण, खोप वा वास्ताके कमीसे यी अवस्था निम्टठ कना बाटके पुष्टि भर आजसमके अनुसन्धानसे हुइ सेकल नैहो । यी कौनो मानसिक रोग फेन नाइहो । यकर प्रभाव हरेक व्यक्तिमे एक मेरिक नैरहठ । किहुनहे सामान्य सहयोग पर्याप्त रहठ कलेसे किहुनहे दैनिक जीवनमे सघन सहयोग आवश्यक परठ ।

उपचारपद्धति

अटिजमहे उपचार कैके पूर्ण रूपमे निराकरण करे नैसेक्जाइठ बरु यकर समयमे पहिचान कैके सहयोग ओ उपचार करलेसे बच्चाके दैनिक जीवनके क्रियाकलापमे उल्लेखनीय सुधार आइ सेकठ । भाषा उपचारपद्धति (स्पिच थेरापी) से सञ्चार कौशल सुधारके बच्चाहे अपन आवश्यकता व्यक्त करना सक्षम बनाइ सेक्जाइठ । ओस्टेक व्यवहार उपचारपद्धतिसे नयाँ सिप सिख्ना ओ जोखिमयुक्त व्यवहार घटैटि लैजैना सहयोग मिलठ । खैना, लुगा लगैना, लेख्न जैसिन सिपके विकास फेन उपचारपद्धतिसे कराइ सेक्जाइठ ।

उपलब्ध तथ्यांक हेरना हो कलेसे विश्वके कुल जनसंख्याके झन्डे एक प्रतिशत मनैन्मे अटिजम देखाइठ । एक अध्ययन अनुसार विश्वके करिब छ करोड १० लाख मनैन्मे यी अवस्था बा । विश्व स्वास्थ्य संगठनसे सन् २०२३ मे प्रकाशित करल तथ्यांक हेरना हो कलेसे हरेक १२७ जानेमध्ये एक जहनके यी अवस्था रहल पाजाइठ । यी तथ्यांक अनुसार हिसाब करलेसे विश्व जनसंख्याके करिब ०.८ प्रतिशत मनैन्मे अटिजम बा ।

उत्तर अमेरिकी महादेशमे सबसे ढेर अटिजम रहल मनै बटैं । वहाँ प्रत्येक ३८ जानेमध्ये एक जहनके यी अवस्था डेखाइठ । संयुक्त राज्य अमेरिकामे सबसे ढेर अर्थात् ३.२ प्रतिशत मनैन्मे अटिजम बा । वहाँ ढेर डेखैनामे वहाँ यी अवस्थाके मात्रा ढेर रहल बाट पुष्टि नैकरठ बरु परीक्षणके मजा सुविधा रहल ओरसे संयुक्त राज्य अमेरिकामे अटिजमके पहिचान मजासे हुइल ओरसे संख्या ढेर डेखाइल हो ।

> यी क्षेत्रमे ढेर चुनौती फेन बा । हरेक जिल्लामे अटिजम पहिचान सेवा ओ थेरापी सेवा उपलब्ध नैहो । औरेओर सामुदायिक विद्यालयमे समावेशी शिक्षा प्रभावकारी रूपमे लागु हुइल नेहो । उपचारपद्धति महँगा रहल ओरसे टमानजे उपचार कराइ सेक्ले नैहुइटैं । यी क्षेत्रमे दक्ष जनशक्तिके फेन ओत्रे कमी बा । औरेओर सुविधा राजधानीकेन्द्रित बा । अटिजमके क्षेत्रमे डेखाइल चुनौतीहे क्रमशः निराकरण करटि जैना दायित्व राज्यके हो । यी अवस्था पूर्वजन्मके कर्मके कारणसे अइना नाइहो वा कौनो सरापके कारणसे फेन यी अवस्था निम्तना नाइहो कना बाटहे समाजके हरेक तप्काके व्यक्ति बुझ्ना जरुरी बा । अटिजम हुइलहे अपनसेक्ना सहयोग करना ओ ओकर सकारात्मक क्रियाकलापहे प्रोत्साहन डेना फेन हरेक नागरिकके कर्तव्य हो । सन्तुलित सामाजिक विकासके लाग सब मेरिक नागरिक उचित अवसर ओ वाञ्छित व्यवहार पैना जरुरी रहठ । अटिजम कौनो मानसिक रोग नैहोके मस्तिष्कके फरक विकासके अवस्था हो । यी बालबालिकामे देखा परना स्नायुसम्बन्धी समस्या रलेसे फेन समयमे पहिचान ओ उचित थेरापीसे सुधार नाने सेक्जाइठ । यिहिनहे बोझ वा दण्ड नैहोके फरक क्षमताके रूपमे स्वीकार करटि पीडित बालबालिकाहे राज्य ओ समाजसे आवश्यक सहयोग, शिक्षा ओ संरक्षण प्रदान करे परठ ।

विश्व स्वास्थ्य संगठनके अनुसार नेपालमे कुल जनंख्याके झन्डे एक प्रतिशत जनसंख्यामे अटिजम बा वा कहि करिब २.५ से तीन लाख संख्यामे अटिजम रहल मनै नेपालमे रहल अनुमान करल बा ।

अटिजमके उपचार वा व्यवस्थापन का कैसिक करना कना बाट फेन यहाँ उल्लेखनीय हुइठ । ड्रग थेरापी अन्तर्गत बच्चाके छटपटी वा चिडचिडाहटपन नियन्त्रण करना पाँचसे १६ वर्षके आयुसम 'रिस्पेरिडोन' कना औषधीके सेवन कराजाइठ । ग्लुटेनयुक्त गहुँ, जौ ओ केसिनयुक्त दुध वा दुग्धजन्य पदार्थके सेवन कम कराके फाइदा पुग्न कहाइ फेन एकमेरिक बा । ओस्टेक समूहमे बैठ्ना ओ शारीरिक गतिविधिसे क्रोध वा निराशा मोचन करना शारीरिक उपचारपद्धति आवश्यक रहठ । सबसे पहिले टे अटिजम रहल बच्चाके अभिभावकहे व्यवस्थापन तालिम डेना आवश्यक रहठ । यी अन्तर्गत दण्ड ओ पुरस्कारहे सही रूपमे प्रयोग करना तरिका अभिभावकहे सिखाजाइठ । सकारात्मक व्यवहार करलेसे अटिजमपीडित बच्चाहे प्रोत्साहन डेना ओ नकारात्मक व्यवहार करलेसे फेन पिट्ना, गाली करना नैकैके उहिनहे डेना करल पुरस्कार रोक्न सिप व्यवस्थापन तालिममे सिखाजाइठ ।

अटिजम रहल व्यक्तिहे रोगी वा बोझके रूपमे लेना सर्वथा अनुचित हो । उहाँहुक्रे फरक मेरिक सिख्ना, बुझ्ना ओ सञ्चार करना क्षमता रहल व्यक्ति हो कना बुझाइ हुइना अनिवार्य बा । अटिजमके पहिचान बेलेमे हुइना व्यवस्था मिलैना सरकारके दायित्व हो कलेसे पहिचान हुइल बालबालिकाहे समावेशी शिक्षा डेना फेन राज्यके दायित्व हो । कमजोर आर्थिक अवस्था रहल परिवारहे अटिजमके उपचारपद्धतिमे सहयोग पुगैना फेन राज्यका कर्तव्य हो । राज्य रोजगारमूलक तालिम डेके अटिजमपीडितहे आत्मनिर्भर कराइ सेके परठ । अभिभावकहे परामर्श डेना, यीसम्बन्धी चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन करना गहन दायित्व फेन राज्यसे वहन करे परठ । कुछ दायित्व समाजके फेन रहठ । समाजसे अटिजम रहलहे सुस्त श्रवणके दर्जा कदापि डेहे नैपरठ । ओइनहे सम्मानके साथ बँच्न सहयोग करना कर्तव्य समाजके प्रत्येक सदस्यके हो ।

यी संविधान प्रत्येक नागरिकहे सम्मानपूर्वक बाँचे पैना अधिकारके प्रत्याभूति करले बा । अपांगता रहल व्यक्तिके लाग शिक्षा, स्वास्थ्य ओ सामाजिक सुरक्षाके प्रत्याभूति फेन वर्तमान संविधान करले बा । अटिजमके कारणसे अपांगताके *(बाँकी ३ पेजमे)*

मेलौलीमे इलाका प्रशासन कार्यालयसे सेवा प्रवाह

बैतडी, ७ भदौ । नागरिकता, राष्ट्रिय परिचयपत्र तथा अन्य प्रशासनिक सेवा लेहे जिल्ला सदरमुकाम जाइ पर्ना दुर्गम क्षेत्रके नागरिकके बाध्यता घट्टी गैल बा ।

जिल्लाके पुर्चौंडी ओ मेलौलीमे इलाका प्रशासन कार्यालयसे नियमित सेवा प्रवाह हुइ लागलपाछे स्थानीयस्तरमे प्रशासनिक सेवा उपलब्ध हुइ लागल बा । जिल्ला सदरमुकामसे करिब एक सय किलोमिटर डुर रहल पुर्चौंडीके नागरिक उहीसे आघे सामान्य प्रशासनिक कामके लाग फेन सदरमुकाम पुगे पर्ना बाध्य रहिट । लम्मा दुरीके यात्रा, यातायात खर्च तथा काम नैओरैलेसे सदरमुकाममे बैठे पर्ना अवस्थासे नागरिकहे आर्थिक बोझ ओ समयके भार थपल रहे ।

अब्बे भर इलाका प्रशासन कार्यालयसे सेवा उपलब्ध हुइ लागलपाछे उक्त बाध्यता क्रमशः हट्टी गैल स्थानीयवासी बटैठैं । २०७३ सालमे स्थापना हुइल इलाका प्रशासन कार्यालय पुर्चौंडीसे हालसम ११ हजार ४१५ नयाँ नागरिकता ओ चार हजार ५१२ नागरिकताके प्रतिलिपि वितरण करल कार्यालय प्रमुख उत्तम कटुवाल जानकारी डेलै । विगतमे कर्मचारी अभाव तथा प्राविधिक समस्याके कारण सेवा प्रभावित हुइना करल रलेसे फेन पाछेक समय कार्यालयसे नियमित ओ निरन्तर सेवा प्रवाह हुइटी रहल उहाँ जानकारी डेलै ।

इलाका प्रशासन कार्यालयसे सेवा पाइ लागलपाछे प्रशासनिक काम सहज हुइल पुर्चौंडी नगरपालिका–७ के बबिता रतुकी बटैली । उहाँ कहली, "विगतमे नागरिकता तथा अन्य कामके लाग सदरमुकाम पुगे परे । एक दिनमे काम नैओरैलेसे वहेँ बैठे पर्ना अवस्था रहे । अब्बे गाउँ लग्गेहे सक्कु काम हुइ लागलपाछे सहज हुइल बा ।"

पुर्चौंडीमे किल नैहोके जिल्लाके तल्लो स्वराड क्षेत्रके नागरिकहे फेन प्रशासनिक सेवा लेना सहज हुइल बा । तल्लो स्वराड क्षेत्रहे लक्षित कैके गत वैशाख २४ गते स्थापना हुइल इलाका प्रशासन कार्यालय मेलौलीसे स्थापनाके चार महिनामे स्थानीयहे नियमित सेवा डेहे लागल बा ।

कार्यालयसे हालसम एक हजार ७७ नयाँ नागरिकता जारी करल कार्यालय प्रमुख महेश भट्ट जानकारी डेलै । उहाँके अनुसार ३३८ ठो नागरिकताके प्रतिलिपि वितरण, एक हजार ३२५ जनहनके राष्ट्रिय परिचयपत्र विवरण दर्ता ओ ९२ ठो राष्ट्रिय परिचयपत्र वितरण करल बा । उहाँ कार्यालयमे आइल ५६ ठो नागरिक गुनासोसमेत सम्बोधन करल बटैलै । स्थानीय सरकार तथा सरोकारवालाके सहभागितामे चारचो बजार अनुगमनसमेत करल प्रमुख भट्ट जानकारी डेलै ।

भौगोलिक रूपमे विकट ओ सदरमुकामसे डुर रहल क्षेत्रके नागरिकहे लक्षित कैके इलाका प्रशासन कार्यालयसे सेवा विस्तार हुइलपाछे स्थानीय आपन प्रशासनिक सेवामे पहुँच बह्रल अनुभूति करे लागल बटै ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस नगरपालिकाको वडा नम्बर ५ स्थित कित्ता नं. ३८० क्षेत्रफल १६९.३१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री अर्जुनसिंह मालले यस नपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: सडक | पश्चिम: विश्राम राना
उत्तर: टेकराज जोशी | दक्षिण: दयाकृष्ण जोशी

गोदावरी नगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, अत्तरिया, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोट: *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:
हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

सुदूरपश्चिमके बजेटमे बेथितिके चाङ, एक ठो पालिकामे २४४ योजना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ७ भदौ । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे बजेट निर्माण ओ कार्यान्वयनहे पारदर्शी ओ आवश्यकतामे आधारित बनैना दाबी करटी आइलफे व्यवहारमे बरवर सख्यामे छोट ओ टुक्रा योजना रख्ना प्रवृत्ति अभिन हटे सेकल नै हो ।

प्रदेश सरकारसे अपन बनाइल मापदण्डविपरीत न्यून बजेटके योजना ढेर सख्यामे समावेश हुइलपाछे बजेट विनियोजनके प्रक्रिया ओ ओम्मे हुइल राजनीतिक प्रभावउप्पर डेखल बा । कमलवहादुर शाह नेतृत्वके आघे प्रदेश सरकारसे २५ लाख रुपयाँसे कम लागतके आयोजना कार्यान्वयन नै कैना ओ उपभोक्ता समितिमार्फत हुइना कामहे निरुत्साहित कैना नीति आघे सारल रहे । बजेटमे भर ५ से १० लाख रुपयाँसमके योजनाके सख्या बरवर डेखलपाछे नीति ओ कार्यान्वयनबिचके अन्तर दार्चुलाके जलस्रोत ओ सिँचाइ डिभिजन कार्यालयअन्तर्गत रहलके योजनाके विवरण डेखाइल बा ।

कार्यालयअन्तर्गत ४८८ योजना रहलमे ४८४ ठो योजना १० लाख रुपयाँसे कम बजेटके बटै । १० लाख रुपयाँसे ढेर बजेट हुइल योजना चार ठो किल बटै । असिन सयौँ योजना छुटी रकममे विभाजन करके बजेट छरना ओ ओकरसे ठोस उपलब्धि हासिल कैना कठिन हुइना डेखल बा ।

दार्चुलाके नौ स्थानीय तहमध्ये शैल्यशिखर नगरपालिकामे किल सिँचाइओर २४४ ठो योजना समावेश करल बा । सिँचाइ क्षेत्रके लग करिब ३६ करोड ४७ लाख रुपयाँ विनियोजन करल हुइल फे खर्च भर १६.२१ प्रतिशतमे सीमित रहलके विवरण बा । बरवर सख्यामे योजना राखलफे खर्चके गति कमजोर हुइलमे योजना छनोट, कार्यान्वयन क्षमता ओ अनुगमनबिचके समन्वय अभाव मुख्य कारण हुइ सेकना डेखल बा । स्थानीयस्तरमे भर योजना छनोटमे राजनीतिक पहुँच ओ बिचौलियाके प्रभाव रहटी करल आरोप लग्टी आइल बा । प्रदेशसे योजना पारदेना नाममे अपन अनुकूल व्यक्तिहे उपभोक्ता समितिमे रख्ना, योजनाके काम ओ भुक्तानी प्रक्रियामे प्रभाव पर्ना ओ कमिसनके चलखेल हुइना करल आरोप स्थानीय लगैले बटै । स्थानीयके अनुसार कतिपय योजनामे काम सुरु हुइना आघे उपभोक्ता समिति गठनसे बिल मिलैना समके सेटिङ हुइना करल बा । कुछ योजनामे बजेटके बरवर हिस्सा वास्तविक काममे खर्च नै हुइ अन्यत्र जिना करल आरोपसमेत बा ।

धनगढीमे बैठके टमान मन्त्रालय ओ राजनीतिक नेतृत्वसँगे पहुँच बनैटी योजना बजेटमे पर्ना प्रयास हुइना करल स्रोतके दाबी बा । सरकार परिवर्तन ओ मन्त्री फेरबदलके समयमे अपन पक्षके योजना बजेटमे समावेश करैना बिचौलियाहे सक्रिय हुइना करल बटैलै ।

दार्चुला सिँचाइ डिभिजन कार्यालयमे एक इन्जिनियरसहित तीन जाने प्राविधिक कर्मचारीकिल रहल बटैले बा । सयौँ योजनाके स्थलगत निरीक्षण, नापजाँच ओ गुणस्तर परीक्षण कैना सीमित जनशक्तिके कारण कठिनाइ हुइना करल कार्यालयके इन्जिनियरिङ अधिकृत मदनबहादुर भण्डारी बटैले बटै ।

उहाँके अनुसार योजनाके सख्या ढेर हुइल सक्कु आयोजनामे नियमित रूपमे पुगके प्राविधिक परीक्षण कैना सहज नै हो । उ अनुगमन ओ गुणस्तरमे प्रश्न उठना अवस्था सिर्जना करल बा ।

प्रदेशमे चालु आर्थिक वर्षके लावा बजेट निर्माणके तयारी हुइटी रहलके बेला विगतके असिन प्रवृत्ति दोहोराइ नै देहेक पर्ना आवाज उठल बा ।

मुख्यमन्त्री खगराज भट्टसेफे योजना किनबेच हुइना करल गुनासो सम्बोधन करेकपर्ना आवश्यकता औँल्याइटी आगामी बजेटमे पारदर्शिता कायम कैना, कमिसनके प्रभाव रोक्ना ओ एक ठो ठाउँमे आवश्यकतासे ढेर योजना नै थुपरना सङ्केत डेहल बटै । 'नितिगत रुपमे भ्रष्टाचार कैसिक हुइ कहटी आकलन करठी, बजेटमे बेथिति कहाँ कहाँसे हुइठ कना बाट खोज्बी, बेचौलियाके प्रभाव बह्ना आधार ओ कारणफे पत्ता लगाके निष्पक्षरुपमे कमिसन रहित बजेट बनैठी । विगतके जस्ते प्रवृति नै दोहोराइ,' भट्ट कहलै ।

अन्तर्राष्ट्रिय

विवादित टापुमे रुसी क्षेप्यास्त्र परीक्षण

काठमाडौँ, ७ भदौ । जापान अपन देशसे 'उत्तरी क्षेत्र' कहिके दाबी करटि आइल विवादित कुरिल टापुमे रुस क्षेप्यास्त्र परीक्षण करना जानकारी डेहलपाछे मस्कोसँग विरोध जनैले बा । रुसी राष्ट्रपति भ्लादिमिर पुटिनके उ क्षेत्रके भ्रमणपाछे क्षेप्यास्त्र परीक्षणके विषय सार्वजनिक हुइल हो ।

जापानी सरकारके प्रवक्ता रुसके क्षेप्यास्त्र परीक्षण योजनाप्रति विरोध जनाइल बटैले बटैं । जापान ओ रुसबिच कुरिल टापुके स्वामित्वहे लेके लम्मा समयसे विवाद रहल बा । जापानी समाचार संस्था क्योदो रुसी प्यासिफिक फ्लीटहे उद्धृत करटि परीक्षण होसेकल जनैले बा । बास्टियन सतहसे जहाजमे प्रहार करना क्षेप्यास्त्र प्रणालीसे सुसज्जित रुसी नौसैनिक एकाइ परीक्षण करल बटाइल बा ।

परीक्षणमे निर्देशित क्षेप्यास्त्र क्रुजर 'वर्याग' ओ आणविक शक्तिसे चल्न पनडुब्बी 'ओम्स्क' समेत सहभागी हुइल जनाइल बा । क्योदोके अनुसार अभ्यासमे शत्रु जहाजउप्पर आक्रमणके अभ्यास करल रहे ओ कम्तीमे ३०० किलोमिटर दूरीके सब लक्षित लक्ष्यमे क्षेप्यास्त्र प्रहार सफल हुइल रहे । परीक्षणके वास्तविक मिति भर स्पष्ट पारल नाइहो ।

राष्ट्रपति पुटिन अगस्ट १३ मे सन् १९४५ पाछे रुसके नियन्त्रणमे रहल विवादित कुरिल टापुके पहिल आधिकारिक भ्रमण करले रहैं । ओकरपाछे जापान रुसी राजदूतहे बोलाके विरोध जनैले रहे कलेसे मस्को फेन ओकर जवाफ डेले रहे । पुटिन रुसी नौसेनाके सैन्य अभ्यास हुइटिरहल सखालिन टापुके भ्रमणपाछे कुरिल क्षेत्र पुगल रहैं । पाछेक क्षेप्यास्त्र परीक्षणसे जापान-रुसबिच टापुके स्वामित्वहे लेहे रहल तनाव थप बह्ना संकेत करले बा ।

महाकालीमे हाम फालके खत्री बेपत्ता, जाहेरी दर्ता नैहुइल गुनासो

कञ्चनपुर, ७ भदौ । गत शुकके दोप्पर महाकाली नदीमे हाम फालके युवकके अवस्था अभिन अज्ञात रहल बा । दार्चुलाके लेकम गाउँपालिका-६, सिरोडाके २७ वर्षीय सुनील खत्री महाकाली नदीमे हाम फालके बेपत्ता हुइल हो ।

रोजगारीके सिलसिलामे भारतके दिल्लीमे रहेल खत्रीसे गत शुक दोप्पर भारतओर रहल पुलके डिलसे महाकाली नदीमे हाम फालल बटै । लदियामे हाम फालल आघे भारतीय स्थानीयवासीसे उहाँहे पटक-पटक पुलके डिलसे लौटना आग्रह करल फे कुछ समयपाछे लदियामे हाम फालके बेपत्ता हुइल बटै ।

गत कुँवारमे विवाह करल खत्री विवाहके एक महिनापाछे रोजगारीके लग भारत गिल परिवारके सदस्यसे बटैले बटै । बेपत्ता खत्रीके दिदी दीपा धामीसे वैवाहिक सम्बन्धमे आइल तनाव ओ गोसिनियासंगे मनमुटावके कारण भाइ पीडा सहन नै सेकके इ अवस्था आइ सेकी बटैली ।

बेपत्ता खत्रीके परिवारके सदस्यसे उहाँके गोसिनिया विमला भाट खत्रीउप्पर अनुसन्धान करके कानुनी कारबाही करेक पर्ना माग करटी आइल बटै । बेपत्ता खत्री ओ उहाँके गोसिनिया विमलाबिचके टेलिफोन संवाद ओ सम्बन्धमे आइल खटपटसम्बन्धी विषय सामाजिक सञ्जालमे समेत सार्वजनिक हुइल कहटी परिवारसे विमलाउप्पर कानुनी कारबाहीके माग करल हो ।

प्रहरी कार्यालयमे विमलाविरुद्ध आत्महत्या दुरुत्साहनसम्बन्धी जाहेरी दर्ता कैना खोजलफे प्रहरीसे दर्ता कैना नै मानल बेपत्ता खत्रीके बुहारी सपना शाह खत्री गुनासो करल बटै । लगातार तीन दिनसे जिल्ला प्रहरी कार्यालयमे जाहेरी देहे गिल फे प्रहरीसे दर्ता कैना नै मानल उहाँके कहाइ बा ।

एक ओर जिल्ला प्रहरी कार्यालयसे बेपत्ता खत्रीके खोजी कार्यसमेत स्थगित करल ओ औरे ओर जाहेरीसमेत दर्ता कैना नै मानल पाछे अपनहे झन पीडा थपल सपना शाह बटैली ।

बेपत्ता खत्रीके गोसिनिया विमला जिल्ला प्रहरी कार्यालय बैतडीमे प्रहरी जवान पदमे कार्यरत रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालय बैतडीके प्रवक्ता एवं प्रहरी निरीक्षक सुरेश सिंह बटैलै । उहाँके अनुसार विमला हाल बिदामे बटै ।

"जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुरसे जे-जस्ते प्रक्रिया आघे बह्ना बा, उहे हम्रे कारबाही प्रक्रियामे सहयोग करले बटी," उहाँ कहले बटै ।

कञ्चनपुर प्रहरी कार्यालयके पत्रके प्रतीक्षामे रहल उहाँसे बटैलै । मने जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुरसे कहके बेपत्ता खत्रीके अवस्था अभिन अज्ञात रहल तत्काल जाहेरी दर्ता कैना नै मिल्ना जनैले बा ।

बेपत्ता युवकके खोजी करलमेफे फेला पारे नै सेकल जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुरके प्रमुख प्रहरी उपरीक्षक नेत्रमणि गिरी बटैलै । अवस्था अज्ञात रहलपाछे हाल खोजी कार्यसमेत स्थगित करल उहाँके कहाइ बा ।

प्रहरीसँगे आवश्यक खोजी सामग्रीके अभाव हुइल लदिया किनारके क्षेत्रमे खोजी करल फे खत्रीहे फेला पारे नै सेकल गिरी बटैलै । औरेओर, खत्री भारतओरके भूभागमे बेपत्ता हुइल कानुनी प्रक्रिया आघे बह्ल कठिनाइ हुइल उहाँके कहाइ बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुर, सशस्त्र प्रहरी ओ विपद् उद्धार टोलीसे लगातार चार दिनसम युवकके खोजी करके फे फेला पारे नैसेकना जनैले बा ।

स्थानीयवासी कहके खत्रीहे आत्महत्या कैना बाध्य बनाइल आरोप लगैना उहाँके गोसिनिया विमलाउप्पर कानुनी कारबाही प्रक्रिया आघे नै बह्ल न्यायके लग आन्दोलनमे उटरल चेतावनी देलै ।

अटिजमके...

कोटीमे पुगलहे दयाके पात्रके रूपमे नाइकि सम्मानपूर्वक बाँचे पैना नागरिकके रूपमे स्वीकार कैके संवैधानिक व्यवस्थाके सम्मान करना सरकारके दायित्व हो ।

अपांगता परिचयपत्र

हमार मुलुक अटिजमके क्षेत्रहे कौन मात्रामे सम्बोधन करले बा टे कना बाट फेन यहाँ उल्लेखनीय रहठ । अटिजमहे हमारयहाँ अपांगताके रूपमे स्विकारल बा ओ अवस्थाके आधारमे अपांगता परिचयपत्र फेन डेना करल बा । अपांगता अधिकार ऐन, २०७४ अनुसार नेपाल सरकारसे अपांगताके १० वर्गमध्ये एक वर्गमे बौद्धिक वा विकाससम्बन्धी अपांगताके रूपमे यिहिनहे मान्यता डेले बा । सातु प्रदेशमे अटिजम रहल बालबालिकाहे लक्ष्य कैके विशेष नमुना विद्यालय कक्षा सञ्चालन करना नीतिगत घोषणा फेन सरकार करले बा । कुछ विद्यालयमे अटिजम हुइलहे पहैना स्रोत शिक्षकके व्यवस्थासमेत करले बा । कान्ति बाल अस्पतालमे मस्तिष्क विकाससम्बन्धी समस्याके मूल्यांकन करना करजाइठ । औरेओर नेपालमे अटिजम केयर नेपाल सोसाइटी ओ अटिजम सेन्टर नेपाल जैसिन संस्था फेन खुलल बा । यी संस्थासे जनचेतना, अभिभावक प्रशिक्षण ओ थेरापीके क्षेत्रमे काम करठ ।

यी क्षेत्रमे ढेर चुनौती फेन बा । हरेक जिल्लामे अटिजम पहिचान सेवा ओ थेरापी सेवा उपलब्ध नैहो । औरेओर सामुदायिक विद्यालयमे समावेशी शिक्षा प्रभावकारी रूपमे लागु हुइल नेहो । उपचारपद्धति महँगा रहल ओरसे टमानजे उपचार कराइ सेक्ले नैहुइटैं । यी क्षेत्रमे दक्ष जनशक्तिके फेन ओत्रे कमी बा । औरेओर सुविधा राजधानीकेन्द्रित बा ।

अटिजमके क्षेत्रमे डेखाइल चुनौतीहे क्रमशः निराकरण करटि जैना दायित्व राज्यके हो । यी अवस्था पूर्वजन्मके कर्मके कारणसे अइना नाइहो वा कौनो सरापके कारणसे फेन यी अवस्था निम्तना नाइहो कना बाटहे समाजके हरेक तप्काके व्यक्ति बुझ्ना जरुरी बा । अटिजम हुइलहे अपनसेक्ना सहयोग करना ओ ओकर सकारात्मक क्रियाकलापहे प्रोत्साहन डेना फेन हरेक नागरिकके कर्तव्य हो । सन्तुलित सामाजिक विकासके लाग सब मेरिक नागरिक उचित अवसर ओ वाञ्छित व्यवहार पैना जरुरी रहठ ।

अटिजम कौनो मानसिक रोग नैहोके मस्तिष्कके फरक विकासके अवस्था हो । यी बालबालिकामे देखा परना स्नायुसम्बन्धी समस्या रलेसे फेन समयमे पहिचान ओ उचित थेरापीसे सुधार नाने सेक्जाइठ । यिहिनहे बोझ वा दण्ड नैहोके फरक क्षमताके रूपमे स्वीकार करटि पीडित बालबालिकाहे राज्य ओ समाजसे आवश्यक सहयोग, शिक्षा ओ संरक्षण प्रदान करे परठ ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

नअट्टाई भूमिहीनहे जग्गा डेबी : मन्त्री रावल

पहुरा समाचारदाता

टीकापुर, ७ भदौ । भूमि व्यवस्था, सहकारी ओ गरिबी निवारण ओ संघीय मामिला ओ सामान्य प्रशासनमन्त्री प्रतिभा रावलसे सरकारसे भूमिहीनहे जग्गा देना काम करटी रहल बेला भूमिहीनहे हटैटी बा कहके त्रास फैलाइना बटैले बटै । शनिच्चरके साझ टीकापुर नगरपालिका-१ स्थित एकतानगर सुकुम्वासी बस्ती पुगली मन्त्री रावल सरकार भूमिहीनके समस्या समाधान कैना प्रतिबद्ध रहल बटैलै ।

"सरकारसे अब्बे ५०० देनाभिटर सक्कु भूमिहीनके समस्या समाधान करले बा । मै मन्त्री हुइ देनासे उ काम हुइटीरहल के बा," मन्त्री रावल कहली, "उ बिच सरकारसे सुकुम्वासीहे हटैटी कहटी हल्ला चलल बा । सरकार काम करटी बा, नअत्ताइ कहके आइल हुइटी । त्रासके वातावरण नै हुइट । बैठल ठाउँसे कोइ हटाइ नै सेकी, पाइक पर्ना लालपुर्जा पाइबी ।"

मन्त्री रावल टीकापुरमे भूमि वितरणके विषय जटिल ओ संवेदनशील रहल ओ कानुनी अड्चनसहित फरक-फरक समस्या रहल बटैले बटी । नकारात्मक सूचीमे परल हुइल कानुन ओ नीति बनैटी समस्या समाधान कैना उहाँसे आश्वासन देले बटी ।

सुकुम्बासी बस्तीमे पुगली मन्त्री रावलहे नौ ठो बस्तीके ओरसे संयोजक पूर्णबहादुर खड्कासे अपनहे बैठल ठाउँमे जग्गा पाइकपर्ना माग करटी ज्ञापनपत्र बुझाइल बटै ।

सुकुम्बासीके ओरसे लगाइल माला ओ अबिर अस्वीकार करटी मन्त्री

रावल कहलै, "अपनेहुकेके हातमे लालपुर्जा हुइल देना खुसी मनैली, सँगे अबिर ओ माला लगैली । अब्बे हतार नैग करी ।"

कैलालीमे काम ठिगा हुइलमे असन्तुष्टि

भूमिसम्बन्धी समस्या स्थलगत रूपमे बुझ्ना शनिच्चर कैलाली पुगली मन्त्री रावलसे टीकापुर नगरपालिकामे आयोजित कार्यक्रममे कैलालीमे जग्गा नापजाँचके काम बेर हुइलमे असन्तुष्टि व्यक्त करल बटै ।

"सरकार हली लालपुर्जा देलै समस्या समाधान कैना चाहल बा । मने, कैलालीलगायत कुछ जिल्लामे कामके गति नै हो । ओम्मेफे टीकापुर नगरपालिका सक्कुसे पाछे बा," मन्त्री रावल कहल बटै, "स्थानीय तहसे हली काम नै हुइल संघीय सरकारसे चाहकेफे कुछ करना नै सेकना हुइल हरेक पालिकामे पुगल बटु ।"टीकापुरमे एक हजार ३५२ भूमिहीन दलित, दुई हजार २८२ भूमिहीन सुकुम्वासी ओ छ हजार ९९५ अव्यवस्थित बसोबासी करके १० हजार ६२९ परिवारसे फाराम बुझाइल बटै । उ मध्ये पाँच हजार ११८ परिवारसे वडा नं. १ मे फाराम भरल बटै ।

टीकापुरके समस्या जटिल

टीकापुर नगरपालिका-१ के वडाध्यक्ष मोहन विक टीकापुरमे भूमिसम्बन्धी समस्या देशभरके से फरक हुइल संघीय सरकारसे विशेष व्यवस्था करेकपर्ना बटैली ।

"हम्रे फाराम भरल जतिहे निस्सा देले बटी । मने, उ वडामे टीकापुर नगर विकास समिति ओ शैक्षिक संस्थाके जग्गाबाहेक अरू जग्गा नै हो," वडाध्यक्ष विक कहले बटै, "सरकारसे नीतिगत निर्णय करके ओ जग्गा किनके हुइल फे सुकुम्वासीहे जग्गा देना बाटो खोलेक परठ ।"

भूमि प्रशासन कार्यालय धनगढीके प्रमुख ओ आयोगके जिल्ला सदस्य लक्ष्मणबहादुर कठायत ओ भूमि प्रशासन कार्यालय टीकापुरके प्रमुख अशोक सार्की अब्बे अवस्थामे टीकापुर नगर विकास समितिके नाममे लालपुर्जा हुइल जग्गा ओ शैक्षिक संस्थाके नाममे रहलके जग्गा भूमिहीन सुकुम्वासीहे देना नै सेकना बटैले बटै ।

प्रतिनिधि सभा सदस्य कोमल ज्ञवालीसे अपन निर्वाचनमे करल वाचाअनुसार समस्या समाधान कैना संघीय मन्त्रीके भ्रमण करके समन्वय करल बटैले बटै ।

टीकापुरमे सुदूरपश्चिमके पहाडी जिल्ला, कर्णाली प्रदेश ओ लुम्बिनी प्रदेशके टमान जिल्लासे भूमिहीन सुकुम्वासीके रूपमे आइलके नागरिक बसोबास करटी आइल बटै ।

ओस्टेक, स्थानीय भूमिहीन सुकुम्वासी, बाढीपीडित, मुक्त कमैया, विकास समितिका कमैया ओ समितिके कर्मचारीके नाममे टीकापुर नगर विकास समिति, टीकापुर बहुमुखी क्याम्पस ओ वीरेन्द्र विद्या मन्दिर माध्यमिक विद्यालयके जग्गामे समेत मनै बैठल रहल बटै ।

जग्गाके स्वामित्व ओ सकारात्मक ओ नकारात्मक सूचीमे परलके जग्गा छुट्याइल नै सेकल ओ टमान प्रदेशसे आइल व्यक्तिहे बसोबास हुइटीरहलके उहाँहे तीन पुस्तामे जग्गा हुइल नै हुइल यकिन कैना कठिन हुइटी रहलके ओम्मे संलग्न कर्मचारीहे बटैठै । टीकापुरमे ओकरआघेफे टमान राजनीतिक दलके नेता, सांसद ओ मन्त्रीहुकनसे जग्गा उपलब्ध करैना आश्वासन देहटी आइल बटै ।

गरिमा चौधरीके अभिभावक ओ सरकारबिच ३ बुँदे सहमति

काठमाडौँ, ७ भदौ । बारा जिल्लाके जितपुर सिमरा उपमहानगरपालिका-१ के ३ वर्षीया बालिका गरिमा चौधरीउप्पर हुइल जघन्य अपराधके घटनाहे लेके नेपाल सरकार ओ पीडित परिवारबिच तीन बुँदे सहमति हुइल बा ।

गृह मन्त्रालयमे शनिच्चर साँझ हुइल छलफलमे गृह मन्त्री सुधन गुरुङसहित सम्बन्धित मन्त्रालयके मन्त्रीहुक्के, पीडित बालिका गरिमा चौधरीके अभिभावक तथा सरकारके प्रतिनिधिबिच सहमति हुइल हो ।

सहमतिअनुसार जघन्य आपराधिक घटनामे नागरिकके अपेक्षाअनुसार विद्यमान कानुनमे रहल कसुर ओ सजायके व्यवस्था पुनरावलोकन करके कानुन तर्जुमाके लाग सुझावसहितके प्रतिवेदन सात दिनभित्र पेस कैना निर्णय हुइल बा । यकर लाग कानुन, न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्रालयसे सात सदस्यीय 'गरिमा न्याय सङ्कल्प समिति' गठन कैना हुइल बा ।

ओस्टे, पीडित परिवारके अपेक्षाअनुसार बालिका गरिमा चौधरीके सालिक निर्माण कैना पूर्वाधार विकास मन्त्रालयसे स्थानीय तहसँग समेत समन्वय करके पहल कैना सहमति हुइल बा ।

पीडित बालिकाके अभिभावकसे अपन रीतिरिवाज तथा संस्कारअनुसार अन्त्येष्टि कार्य कैना विषयमेफे सहमति हुइल बा ।

सहमति पत्रमे नेपाल सरकारके ओरसे गृह मन्त्री सुधन गुरुङ, पूर्वाधार विकास मन्त्री सुनिल लम्साल, कानुन, न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्री सविता गौतम, महिला, बालबालिका, लैङ्गिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक ओ सामाजिक सुरक्षा मन्त्री सिता बादी तथा कृषि, वन तथा वातावरण मन्त्री गिता चौधरी हस्ताक्षर करले बटै ।

पीडित परिवारके ओरसे गरिमा चौधरीके बाबा मनोजकुमार चौधरी ओ डाई मीनमती चौधरीसे सहमति पत्रमे हस्ताक्षर करले बटै । सरकार ओ पीडित परिवारबिच हुइल सहमतिसे घटनामे न्यायिक प्रक्रिया आघे बहैनाके साथे पीडित परिवारके माग सम्बोधन अपेक्षाअनुसार बालिका गरिमा कैना प्रतिबद्धता जनैले बा ।

विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौं

- बर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङको जोखिम हुन सक्छ,
- सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौं, सचेत बनौं,
- जोखिमयुक्त स्थानमा नबसौं, सुरक्षित स्थानमा बसौं,
- नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरु बिशेष सतर्क रहौं,
- सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔं,
- घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौं,
- सम्पर्क बिन्दुहरु तय गरौं, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔं,
- खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौं,
- प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौं,
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔं ।

कैलारी गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

कैलाली

छ लाख ६२ हजार बराबरके सामान नियन्त्रण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ७ भदौ । कैलाली ओ कञ्चनपुर जिल्लाके टमान ठाउँसे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि छ लाख ६२ हजार ७ सय ३० रुपयाँ बराबरके सामान नियन्त्रण कैगिल बा ।

कैलालीके टमान ठाउँसे रु.५ लाख ९३ हजार ७ सय ३० रुप्याँ बराबरके बिडी, सुर्ति, टमान मेरके कपडा ओ किराना लगायतके सामान नियन्त्रण करल हो । शनिच्चरके रोज जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली ओ मातहत कार्यालयसे खटल प्रहरी टोलीसे बेवारिसे अवस्थामे फेला पारके आवश्यक प्रक्रिया पुरा करके नियन्त्रणमे लेहल बा ।

ओस्टे करके कञ्चनपुर बेलौरी न.पा. वडा नं ६ वैशाखा स्थितसे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल अन्दाजी मूल्य रु.६९ हजार १ सय बराबरके बिडी, सुर्ति, कपडा ओ किराना लगायतके सामान नियन्त्रण लेगिल बा ।

शनिच्चरके रोज इलाका प्रहरी कार्यालय बेलौरी, कञ्चनपुरसे खटल प्रहरी टोलीसे बेवारिसे अवस्थामे फेला पारके आवश्यक प्रक्रिया पुरा करके नियन्त्रणमे लेहल हो ।

सातै प्रदेशमे अटिजम...

कार्यक्रममे प्रतिनिधिसभा सदस्य सरिता महतासे अटिजम हुइल बालबालिकाहे बोझके रूपमे नै लेना उहाँहुकनके रुचिअनुसार विकासमे सहयोग करेकपर्ना बटैलै । अभिभावकहुकनसे वडा तहमे हेरचाह केन्द्र, औरे आवासीय विद्यालय, थेरापी केन्द्र स्थापना ओ अभिभावकके लग आयआर्जनके व्यवस्था कैना आग्रह करलै । राष्ट्रिय अटिजम केयर सेन्टर सोसाइटीके अध्यक्ष रमेश बस्नेत अटिजम हुइल बालबालिकाहे अन्य अपाङ्गता हुइल बालबालिकासे फरक ढङ्गसे हेरके समस्या समाधान करेकपर्ना धारणा राख्लै । शिक्षा विभागके शिक्षा अधिकृत दीपक माझीसे मस्यौदाके प्रावधानबारे जानकारी देहटी सरकार समस्या समाधानके लग क्रियाशील रहल बटै ।

"लैंगिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

अमृता रानासहित...

अध्यक्ष शारदा मुल्मीलगायत १० जाने सौन्दर्यकर्मी सम्मानित हुइल रहिट ।

कार्यक्रममे बागमती प्रदेशके निवर्तमान मन्त्री हरिप्रभा खड्की प्रमुख अतिथिके रूपमे सहभागी हुइल रहिट । उहाँ महिलाके वास्तविक सशक्तीकरणके लाग आर्थिक आत्मनिर्भरता आवश्यक रहल बटैटी सीप, स्वरोजगार ओ आर्थिक सशक्तीकरणमे सौन्दर्य क्षेत्रसे महत्वपूर्ण भूमिका खेल्टी रहल धारणा रख्ले रहिट ।

अमृता कुमारी राना यी सम्मान दुई दशक नम्मा सौन्दर्य यात्राके कदर केल्ह नैहुके महिलाहे सीप ओ रोजगारीमार्फत आत्मनिर्भर बनैना अभियानके सम्मानके रूपमे समेत लेसकल बटु कहिके बटैली ।

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत

MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304

➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरु : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९